जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की जयंती

प्रलिमि्स के लयि:

जयप्रकाश नारायण और उनका योगदान, भूदान आंदोलन, नानाजी देशमुख और उनका योगदान।

मेन्स के लयि:

स्वतंत्रता के बाद जयप्रकाश नारायण और नानाजी देशमुख की भूमिका तथा भूदान आंदोलन में उनका योगदान।

चर्चा में क्यों?

भारत के प्रधानमंत्री ने **लोकनायक जयप्रकाश नारायण** और **नानाजी देशमुख** को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

लोकनायक जयप्रकाश नारायण:

- **परिचय:**
  - जन्म: 11 अक्तूबर, 1902 को **बिहार** के **सिताबदियारा** में हुआ।
  - **विचारधारा: इनकी विचारधारा मार्क्सवादी और गांधीवादी थी।**
  - **स्वतंत्रता संग्राम में योगदान:**
    - वर्ष 1929 में वह **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** में शामिल हो गए।
      - **वर्ष 1932** में उन्हें **सविनय अवज्ञा आंदोलन** में भाग लेने के कारण एक वर्ष के लिये जेल में डाल दिया गया था।
      - **वर्ष 1939** में उन्हें द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटेन की ओर से **भारतीयों की भागीदारी का विरोध** करने के लिये फिर से जेल में डाल दिया गया था, लेकिन वे बच निकले।
    - उन्होंने **कॉन्ग्रेस पार्टी के भीतर एक वामपंथी समूह, कॉन्ग्रेस सोशलिस्ट पार्टी (1934) के गठन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

- **स्वतंत्रता के बाद की भूमिका:**
  - **वर्ष 1948** में उन्होंने **कॉन्ग्रेस पार्टी** छोड़ दी और **कॉन्ग्रेस विरोधी अभियान** शुरू किया।
    - **वर्ष 1952** में उन्होंने **प्रजा सोशलिस्ट पार्टी (PSP)** का गठन किया।
  - वर्ष 1954 में उन्होंने अपना जीवन **विनोबा भावे के भूदान यज्ञ आंदोलन** को समर्पित कर दिया, इस आंदोलन के तहत उनकी मांग **भूमिहीनों को भूमि पुनर्वितरण** की थी।
  - वर्ष 1959 में उन्होंने **गाँव, ज़िला, राज्य और संघ परिषदों (चौखंबा राज) के चार-स्तरीय पदानुक्रम** के माध्यम से **"भारतीय राजनीति**

के पुनर्निर्माण" के लिये तर्क प्रस्तुत किया।
    - **संपूर्ण क्रांति:** इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा चुनावी कानूनों के उल्लंघन का दोषी पाए जाने के कारण उन्होंने इंदिरा गांधी शासन के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्त्व किया।
        - उन्होंने वर्ष 1974 में सामाजिक परिवर्तन के एक कार्यक्रम की वकालत की जिसे **'संपूर्ण क्रांति'** कहा गया, यह **सार्वजनिक जीवन में भ्रष्टाचार के खिलाफ था।**
        - संपूर्ण क्रांति में राजनैतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, बौद्धिक, शैक्षणिक व आध्यात्मिक सात क्रांतियाँ शामिल हैं।
        - इसका उद्देश्य मौजूदा समाज में बदलाव लाना था जो **सर्वोदय (गांधीवादी दर्शन- सभी के लिये प्रगति) के आदर्शों के अनुरूप हो।**
- **भारत रत्न से सम्मानित:** जयप्रकाश नारायण को "स्वतंत्रता संग्राम और गरीबों एवं दलितों के उत्थान में अमूल्य योगदान" के लिये **मरणोपरांत** भारत के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार, **भारत रत्न (1999)** से सम्मानित किया गया।

नानाजी देशमुख:

- **परिचय:**
    - **जन्म:** इनका जन्म 11 अक्तूबर, 1916 को महाराष्ट्र के हिंगोली ज़िले में हुआ था।
    - वे **लोकमान्य तिलक** और उनकी राष्ट्रवादी विचारधारा तथा डॉ केशव बलिराम हेडगेवार (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-RSS के संस्थापक व सरसंघ-प्रमुख) से **प्रभावित** थे।
    - **आंदोलनों में भागीदारी:** उन्होंने आचार्य विनोबा भावे के **भूदान आंदोलन** में सक्रिय रूप से भाग लिया।
    - **जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति के आंदोलन के पीछे देशमुख मुख्य ताकत थे।**

- **सामाजिक सक्रियता**: वह स्वास्थ्य, शिक्षा और **ग्रामीण आत्मनिर्भरता** पर ध्यान देने वाले समाज सुधारक थे।
    - उन्होंने चित्रिकूट में **चित्रिकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय** की स्थापना की, यह भारत का पहला ग्रामीण विश्वविद्यालय था और इसके कुलाधिपति के रूप में कार्य किया।
    - उन्होंने गरीबी विरोधी और **न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम की दिशा में काम किया।**
- **चुनावी राजनीति:** वह जनता पार्टी के मुख्य वास्तुकारों में से एक थे।
    - उन्होंने वर्ष 1977 के लोकसभा चुनाव में बलरामपुर (UP) लोकसभा क्षेत्र से जीत हासिल की।
    - राष्ट्र के लिये उनकी सेवाओं के सम्मान में उन्हें 1999 में राज्यसभा केलिये नामित किया गया था।
- **मृत्यु:** 27 फरवरी, 2010।
- **पुरस्कार**: उन्हें वर्ष 1999 में **पद्म विभूषण** से सम्मानित किया गया था।
    - 2019 में भारत के राष्ट्रपति ने राष्ट्र हेतु उनकी सेवाओं के लिये उन्हें (मरणोपरांत) भारत रत्न से सम्मानित किया।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/birth-anniversaries-of-jayaprakash-narayan-and-nanaji-deshmukh